अथवा

(2) या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई।
ज्यौं ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होई।।
जप माला छापै तिलक सरै न एकौ कामु।
मन काँचै नाचै वृथा, साँचै राँचै रामु।।

अथवा

(क) पठित अंश के आधार पर केशव की काव्यगत विशेषताएँ लिखिये। 6.5

(ख) कवि बिहारी की भक्ति और नीति पर प्रकाश डालिये। 6

इकाई-तृतीय

014

4. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 12.5

1. हीन भए जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
प्रीति की रीति सु क्यौं समझै जड़, मीत के पानि परै को प्रमानै।
या मन की जु दसा घन आनन्द जीव की जीवनि जान ही जानै।

2. धाता जाहि गावै कछु मरम न पावै ताहि
कैसे कै रिझावै, भलौ भौन ठहराइयै।
दसना कौं पाई, पाई वचन सकति बिन।
राम गुन-गान तऊ मन अकुलाइयै।।

अथवा

(क) कवि सेनापति की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 6.5

(ख) "प्रेम की पीड़ा के अमर गायक कवि घनानंद के काव्य में प्रेम और विरह धनीभूत हो गए हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिये। 6

इकाई-चतुर्थ

014

5. रीति से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट करते हुए काव्य भेद पर प्रकाश डालिये। 12.5

अथवा

(क) काव्य प्रयोजन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 6.5

(ख) नायिका भेद का वर्णन कीजिये। 6

Total No. of Pages: 02 **[Total No. of Questions: 05]**

014

9482

ITEP B.A. B.Ed. III Semester

Examination, 2024 (Held in 2025)

DCHN - 301 (MAJOR):

मध्यकालीन काव्य (रीतिकालीन काव्य)-प्रथम भाग

Duration of Examination: 3 Hours *Max. Marks: 70*

परीक्षा की अवधि: 3 घण्टा *पूर्णांक : 70*

Instructions to the Candidates:

परीक्षार्थी के लिए निर्देश:-

Question paper is divided into two parts viz A & B. Part A consists of 10 compulsory which are sh ort answered. Attempt questions from Part B selecting at least one question from each unit. Answer limit is 300 words. The marks of each question are given against it.

*प्रश्न पत्र '**अ**' व '**ब**' दो भागों में विभाजित है। भाग 'अ' में 10 अनिवार्य प्रश्न हैं जो लघुत्तरात्मक हैं। भाग '**ब**' में प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए उत्तर दीजिए। उत्तर सीमा 300 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने अंकित हैं।*

014

भाग-अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- *2×10=20*

1. (क) रीतिकाल का समय बताइये।
   (ख) रीतिकाल के प्रवर्तक कवि का नाम लिखिये।
   (ग) रीतिकाल के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिये।
   (घ) रीतिकाल की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिये।
   (ड) रीतिकाल के किसी कवि की दो पंक्तियाँ लिखिये।
   (च) रीतिकाल की विभिन्न काव्य धाराओं के नाम बताइये।
   (छ) 'सुजान' से किस कवि का प्रेम था उसका नाम लिखिये।
   (ज) कवि केशव की किसी एक रचना का नाम बताइये।
   (झ) बिहारी सतसई पुस्तक के रचनाकार कवि कौन हैं ?
   (ञ) कवि घनानंद की किसी एक रचना का नाम लिखिये।

खण्ड-ब

इकाई-प्रथम

2. रीतिकाल के नामकरण की सार्थकता पर विचार करते हुए इस काल की विभिन्न काव्यधाराओं की वर्णन कीजिये। 12.5

अथवा

(क) रीतिकाल के प्रमुख कवि कौन-कौन हैं ? किसी एक कवि की काव्यगत विशेषताएँ लिखिये। 6.5

(ख) रीतिकालीन साहित्य में प्रेम और श्रृंगार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। 6

इकाई-द्वितीय

3. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 12.5

(1) पुरण पुराण अरू पुरूष पुराण परि-
पूरण बतावें न बतावै और उक्ति को।
दरशन देत, जिन्हें दरशन समुझै न,
नेति-नेति कहै वेद छाँड़ि आन युक्ति को।